बालबर्नी का शतक बेकार, आयरलैंड को 42 रन से हराकर अफगानिस्तान ने वनडे सीरीज पर जमाया कब्जा

बेलफास्ट। अफगानिस्तान ने बुधवार को सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले को 42 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने सीरीज पर 3-1 से अपना कब्जा जमा लिया है। सीरीज का पहला मैच बारिश के चलते बेनतीजा रहा था, जिसके बाद अगले मुकाबले को अफगानिस्तान ने 92 रन से अपने नाम किया। सीरीज का तीसरा मैच अफगानिस्तान ने 3 विकेट से जीता और फिर अगले मुकाबले को अपने पक्ष में करते हुए सीरीज पर कब्जा जमा लिया। सीरीज का अंतिम मैच 14 अगस्त को इसी मैदान पर आयोजित होगा।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने 9 विकेट खोकर 343 रन बनाए। इस टीम ने 16 के स्कोर पर रहमानुल्लाह गुरबाज (12) का विकेट गंवा दिया था। इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल ने इब्राहिम जादरान के साथ दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों में 231 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 247 के स्कोर तक पहुंचाया।

इब्राहिम 118 गेंदों में 12 बाउंड्री के साथ 107 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सेदीकुल्लाह ने 120 गेंदों में 4 छक्कों और 17 चौकों के साथ 143 रन की पारी खेली। इनके अलावा, दरविश रसूली ने टीम के खाते में 24 रन जुटाए। विपक्षी खेमे से बायरन मैकडोनो ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि मार्क एडेर और गैविन होए ने 2-2 विकेट चटकाए। इसके जवाब में आयरलैंड 48 ओवरों में 301 रन पर सिमट गई। कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने एंड्रयू बालबर्नी के साथ पहले विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभली हुई शुरुआत दिलाई। स्टर्लिंग 27 रन बनाकर आउट हुए। 53 के स्कोर पर मेजबान देश ने केड कारमाइकल (5) का विकेट भी गंवा दिया। यहां से बालबर्नी ने हैरी टेक्टर (34) के साथ तीसरे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की। इसके अलावा, बालबर्नी ने कर्टिस कैंपर के साथ पांचवें विकेट के लिए 57 गेंदों में 73 रन जोड़े। कर्टिस 46 गेंदों में 5 छक्कों और 8 चौकों के साथ 84 रन बनाकर आउट हुए, जबकि बालबर्नी ने 119 गेंदों में 3 छक्कों और 9 चौकों के साथ 109 रन की पारी खेली। अफगान खेमे से यामीन अहमदजई ने 71 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि राशिद खान ने 3 विकेट झटके। अजमतुल्लाह ओमरजई को 2 विकेट हाथ लगे। एक विकेट एएम गजनफर ने निकाला।

कैंसर जैसी बीमारी रातों-रात नहीं होती, ये हमारी आदतों, तनाव और जीवनशैली से जुड़े खराब फैसलों का नतीजा : जोंटी रोड्स

मुंबई। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने बताया कि कैंसर जैसी बीमारी रातों-रात नहीं होती है, बल्कि यह खराब अदातों, तनाव और लाइफस्टाइल से जुड़े गलत फैसलों का नतीजा होती है। उन्होंने लोगों को अच्छी जीवनशैली अपनाने की सलाह दी।

करियर के दौरान अपनी शानदार फील्डिंग के लिए मशहूर रहे जोंटी रोड्स एसएसओ कैंसर अस्पताल के ब्रांड एम्बेसडर हैं। उन्होंने हॉस्पिटल द्वारा आयोजित किए गए एक कार्यक्रम में कैंसर को लेकर बात करते हुए कहा, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बारे में यही दिलचस्प बात है, और यहां हम खास तौर पर कैंसर की बात कर रहे हैं। आप जानते हैं कि ये बीमारियां हमेशा रातों-रात नहीं होतीं, ये उन आदतों, शरीर पर पड़ने वाले तनाव और जीवनशैली से जुड़े हमारे फैसलों का नतीजा होती हैं, जिन्हें हम अपनाते हैं।

साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा, हॉकी और क्रिकेट खिलाड़ी होने के नाते मैं भाग्यशाली रहा कि फिटनेस हमेशा ही मेरी जीवनशैली का हिस्सा रहा। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं कि फिट लोगों को कैंसर नहीं होता है, लेकिन मैं हमेशा ही उन विकल्पों के बारे में जागरूक था, जिन्हें मैं अपनाता था। मैंने और मेरी पत्नी ने अपने बच्चों को भी हमेशा ही मुश्किल विकल्पों को चुनना सिखाया है, क्योंकि इन सही विकल्पों को चुनने से उनको भविष्य में दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। जोंटी रोड्स ने कहा, मैं साल के पांच महीने अपने परिवार के साथ भारत में रहता हूं, इसलिए भारत के मामले में मैं सिर्फ एक पर्यटक नहीं हूं। जब आप किसी देश में रहते हैं, तो आपको अपने आस-पास हो रही चीजों के बारे में अच्छी तरह पता चल जाता है। मेरे परिवार में किसी को कैंसर नहीं हुआ है, लेकिन मैं जानता हूं कि आजकल हमारे में से बहुत से लोग जिस तरह की जीवनशैली अपना रहे हैं, उसमें कैंसर बहुत आम हो गया है। इसी कारण मुझे लगता है कि इस नजरिए से, मुझे जो जानकारी है, वह इसलिए नहीं है कि मैं खुद इससे प्रभावित हुआ हूं, बल्कि इसका मकसद लोगों को यह समझाना है कि कैंसर के बारे में इस तरह की जागरूकता से लोगों के पास कई विकल्प मौजूद हैं। रोड्स ने कहा कि कैंसर का इलाज संभव है और लोगों को इससे डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत में कैंसर का इलाज करने के लिए कई शानदार डॉक्टर मौजूद हैं।

भारतीय हॉकी टीम में टॉप फोर में जगह बनाने की काबिलियत, इससे कुछ भी बेहतर बोनस होगा : पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली। एफआईएच पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 15 अगस्त से होने जा रहा है। भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज वेल्स के खिलाफ शनिवार को करेगी। भारत के पूर्व कप्तान पीआर श्रीजेश का मानना है कि भारत के पास टॉप 4 में जगह बनाने की काबिलियत है।

पीआर श्रीजेश ने जियोस्टार के साथ बात करते हुए भारतीय टीम को दबाव से निपटने के लिए अहम सलाह दी। उन्होंने कहा, एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप, ओलंपिक के बाद हॉकी का दूसरा सबसे बड़ा टूर्नामेंट है और जाहिर है कि पूरी दुनिया इसे देख रही है और सबकी नजरें आप पर हैं। इससे बहुत दबाव बनता है। हालांकि, आप इस दबाव का असर अपने खेल पर नहीं पड़ने दे सकते। जब आप इसके बारे में बहुत ज्यादा सोचने लगते हैं, तो आपका प्रदर्शन गिर जाता है। जब प्रदर्शन गिरता है, तो दबाव और बढ़ जाता है। इसी वजह से जरूरी है कि आप शांत रहें, अपनी भूमिका पर ध्यान दें और अपनी ट्रेनिंग पर भरोसा रखें। सबसे जरूरी बात यह है कि आप वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। आपने इसी के लिए मेहनत की है। बस इस पल का आनंद लें और पिच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

पूर्व गोलकीपर ने भारतीय टीम के प्रदर्शन की उम्मीदों पर बात करते हुए कहा, मेरी राय में, जिस तरह से यह टीम बनी है और हमने जो तरक्की की है, उसे देखते हुए कम से कम टॉप चार में जगह बनाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। जिस ग्रुप में हमें रखा गया है, उसे देखते हुए हमारे पास ऐसा करने की काबिलियत और गहराई है। इसके अलावा कुछ भी हासिल करना - चाहे सिल्वर, गोल्ड या ब्रॉन्ज मेडल हो - एक बोनस की तरह होगा। टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल रही है और हमारे पास बड़े मैचों को संभालने का अनुभव भी है। हमें इससे कम पर समझौता नहीं करना चाहिए। लक्ष्य साफ है, हम यहां मुकाबला करने और अपनी छाप छोड़ने आए हैं।

भारत को विश्व कप में ग्रुप डी में रखा गया है। इस ग्रुप में भारत का सामना पाकिस्तान, इंग्लैंड और वेल्स से होना है। 15 अगस्त को वेल्स से भिड़ने के बाद भारतीय टीम का अगला मुकाबला इंग्लैंडसे 17 अगस्त को होगा। वहीं, ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में भारत का सामना पाकिस्तान से 19 अगस्त को होना है।

एफएमपीसीसीआई प्रतिनिधिमंडल ने एमपीआईआईडीसी एमडी से की मुलाकात

उद्योगों की समस्याओं पर जल्द सकारात्मक निर्णय की उम्मीद

वाणिज्य प्रतिनिधि.भोपाल

प्रदेश के उद्योगों से जुड़ी कई समस्याएं शासन स्तर पर विचाराधीन हैं और इन पर जल्द सकारात्मक निर्णय होने की संभावना है। यह बात मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के प्रबंध निदेशक चंद्रमौली शुक्ला ने फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफएमपीसीसीआई) के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कही। फेडरेशन के अध्यक्ष हिमांशु खरे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एमपीआईडीसी के प्रबंध निदेशक से मुलाकात कर औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक विशाल चौहान भी मौजूद रहे। फेडरेशन अध्यक्ष हिमांशु खरे ने कहा कि प्रदेश का उद्योग और व्यापार जगत सरकार से किसी विशेष सुविधा की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि सरल, स्पष्ट और व्यावहारिक नियम एवं प्रक्रियाएं चाहता है। उन्होंने कहा कि प्रक्रियाओं के सरलीकरण से उद्यमियों को उत्पादन, निवेश, रोजगार सृजन, नवाचार और बाजार विस्तार पर अधिक ध्यान देने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रतिस्पर्धा का दौर है और मध्यप्रदेश के उद्योगों को देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी प्रतिस्पर्धा करनी है। इसके लिए प्रक्रियात्मक बाधाओं को कम करना, अनुमतियां समयबद्ध करना और बेहतर कारोबारी वातावरण तैयार करना जरूरी है। एफएमपीसीसीआई शासन और उद्योग जगत के बीच निरंतर संवाद स्थापित करने का माध्यम बनकर काम कर रहा है।

संपत्ति कर के दोहरे भार का मुद्दा उठाया- प्रतिनिधिमंडल ने औद्योगिक क्षेत्रों में संपत्ति कर के दोहरे भार का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। फेडरेशन ने सुझाव दिया कि औद्योगिक क्षेत्रों में लिए जाने वाले संधारण शुल्क और नगर निकायों द्वारा लगाए जाने वाले संपत्ति कर के बीच उचित समन्वय किया जाए, ताकि उद्योगों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न पड़े। फेडरेशन ने बताया कि उद्योगों से लिए जाने वाले संधारण शुल्क का उपयोग पहले से ही औद्योगिक क्षेत्रों की सड़कों, नालियों, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आधारभूत सुविधाओं के रखरखाव में किया जाता है। ऐसे में इस व्यवस्था का युक्तियुक्तकरण जरूरी है।

नक्शा मंजूरी के लिए सिंगल विंडो और डिम्ड अप्रूवल का सुझाव- औद्योगिक भवनों के नक्शों की मंजूरी प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाने के लिए फेडरेशन ने सिंगल विंडो व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया। इसके तहत औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटित भूमि पर निर्माण संबंधी अनुमतियां एक ही सक्षम प्राधिकरण के माध्यम से दिए जाने की मांग की गई। इसके साथ ही फेडरेशन ने 30 दिन की समय-सीमा निर्धारित करने और तय अवधि में निर्णय नहीं होने की स्थिति में ऑनलाइन डिम्ड अप्रूवल का प्रावधान करने का सुझाव दिया। फेडरेशन का कहना है कि इससे उद्योगों की स्थापना और विस्तार परियोजनाओं में होने वाली देरी कम होगी तथा निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा।

निवेश और रोजगार को मिलेगी गति- एफएमपीसीसीआई ने कहा कि औद्योगिक प्रक्रियाओं को सरल और अनुमतियों को समयबद्ध करने से नए निवेश, मौजूदा उद्योगों के विस्तार, रोजगार सृजन और एमएसएमई क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। इससे मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता भी मजबूत होगी। फेडरेशन ने कहा कि वह प्रदेश के उद्योगों की समस्याओं को शासन के समक्ष लगातार उठाता रहेगा और नीतिगत सुधारों के माध्यम से मध्यप्रदेश को निवेश, विनिर्माण, व्यापार और एमएसएमई के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए शासन के साथ मिलकर काम करेगा। प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष जयदेव ताम्रकार, सीबी मालपानी, अशोक आनंद, राजीव जैन, सचिव प्रवीण आचार्य, सहसचिव डॉ. सुरेंद्र सिंह और मार्केटिंग हेड राजेश हिरवे शामिल रहे।

पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की मांग को लेकर बैंक कर्मचारियों का प्रदर्शन, राष्ट्रव्यापी हड़ताल की चेतावनी

फोटो- बैंक

वाणिज्य प्रतिनिधि.भोपाल

सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर बुधवार को देशभर में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने प्रदर्शन किया। इसी क्रम में भोपाल में भी सैकड़ों बैंक कर्मचारी और अधिकारी पंजाब नेशनल बैंक के जोनल ऑफिस, अरेरा हिल्स के सामने एकत्रित हुए और मांग के समर्थन में नारेबाजी कर प्रदर्शन एवं सभा की। सभा को यूएफबीयू में शामिल विभिन्न बैंक यूनियनों के पदाधिकारियों संजीव मिश्रा, वीके शर्मा, दिनेश झा, प्रवीण मेघानी, दीपक रत्न शर्मा, निर्भय सिंह ठाकुर, संजय कुदेशिया, वीएस नेगी, देवेंद्र खरे और मनीष भार्गव सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

वक्ताओं ने कहा कि पहले बैंक कर्मचारी सोमवार से शुक्रवार तक पूरे दिन और शनिवार को आधे दिन काम करते थे। वर्ष 2015 में सरकार और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन के बीच सहमति के बाद दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश घोषित किया गया, जबकि अन्य शनिवार कार्य दिवस रखे गए। उन्होंने कहा कि उस समय डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते इस्तेमाल और शाखाओं में ग्राहकों की संख्या में कमी को देखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई थी। साथ ही बाकी शनिवारों को भी अवकाश घोषित करने पर उचित समय पर विचार करने की बात कही गई थी। बैंक यूनियन नेताओं ने कहा कि मार्च 2024 में वेतन संशोधन समझौते के दौरान पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने के प्रस्ताव पर सहमति जताई थी। इसके तहत ग्राहकों के लिए बैंकिंग व्यवसाय के समय में प्रतिदिन 40 मिनट की वृद्धि करने और इसके बदले शेष शनिवारों को अवकाश घोषित करने की व्यवस्था प्रस्तावित की गई थी। यूनियनों के मुताबिक, इससे ग्राहकों के लिए उपलब्ध कुल बैंकिंग घंटों में कमी नहीं होगी। यूनियनों ने बताया कि प्रस्ताव को स्वीकृति के लिए वित्त मंत्रालय भेजा गया था, लेकिन दो वर्ष से अधिक समय बीतने के बावजूद मामला लंबित है। इसी मांग को लेकर 27 जनवरी 2026 को बैंक हड़ताल भी की थी।

- **मांग नहीं मानी तो आंदोलन होगा तेज**- यूएफबीयू नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की मांग को लगातार नजरअंदाज करती है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। फोरम के नेताओं की आगामी बैठक में आगे की हड़ताल सहित अन्य आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की घोषणा किए जाने की बात कही गई है।

व्यापारियों जगत के प्रमुखों ने किया स्वागत

एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के हित में बड़ा कदम

वाणिज्य प्रतिनिधि, भोपाल

एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाने के मध्यप्रदेश सरकार के फैसले का भोपाल किराना व्यापारी महासंघ, कैट,भोपाल होटल-रेस्टोरेंट, टेंट व्यवसायी सहित अन्य व्यापारिक संगठनों ने स्वागत किया है। संगठन प्रमुखों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

भोपाल किराना व्यापारी महासंघ अध्यक्ष सुनील पंजाबी, महामंत्री विवेक साहू, कैट के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद जैन,तेजकुलपाल सिंह पाली, सुनील जैन 501 , धर्मेंद्र शर्मा, रामबाबू शर्मा सहित अन्य व्यापारियों ने कहा कि आम उपभोक्ता कई बार पनीर और उसके विकल्पों के बीच अंतर नहीं कर पाता। ऐसे में बाजार में गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना जरूरी है। एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से समझौते और मिलावट पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का यह फैसला उपभोक्ताओं के हित में सराहनीय पहल है।

उन्होंने कहा कि इस कदम से उपभोक्ताओं का शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों के प्रति विश्वास बढ़ेगा तथा बाजार में भी बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। जनस्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए लिया गया यह निर्णय प्रदेश की जनता के हित में है। साहू ने सरकार से अपील की कि प्रतिबंध लागू करने के साथ ही बाजारों में नियमित जांच और प्रभावी निगरानी भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

एसबीआई में एआई का बढ़ता इस्तेमाल, 1 लाख करोड़ के एमएसएमई कर्ज को मिली मंजूरी

मुंबई। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बैंकिंग सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल को तेजी से बढ़ाया है। बैंक ने वित्त वर्ष 2026 में एआई आधारित प्रक्रिया के जरिए करीब एक लाख करोड़ रुपए के एमएसएमई कर्ज मंजूर किए हैं। इनमें पांच करोड़ रुपए तक के ऋण शामिल हैं। एसबीआई के प्रबंध निदेशक रामा मोहन राव अमारा ने वार्षिक एफआईबीएसी कार्यक्रम में बताया कि बैंक ने पिछले 12 महीनों में यह उपलब्धि हासिल की है। इस प्रक्रिया में नए और मौजूदा दोनों तरह के ग्राहक शामिल रहे। एआई के इस्तेमाल से ऋण मंजूरी की प्रक्रिया को तेज करने के साथ ही बैंक कर्मचारियों का समय भी बच रहा है।

10 हजार रुपए तक के चेक की एआई से प्रोसेसिंग- एसबीआई अब 10,000 रुपए तक के चेक की प्रोसेसिंग को भी एआई की मदद से स्वचालित कर रहा है। बैंक के अनुसार, इस राशि तक के चेक कुल चेक वॉल्यूम का करीब 25 प्रतिशत हैं। एआई मॉडल चेक को पढ़कर उसके अनिवार्य विवरण और अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं की जांच कर सकता है। बैंक ने ऐसे चेकों की प्रोसेसिंग को स्ट्रेट-थ्रू प्रोसेसिंग (एसटीपी) प्रणाली से जोड़ दिया है। इसके चलते सामान्य परिस्थितियों में चेक की प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप की जरूरत नहीं पड़ती।

कॉर्पोरेट इंडिया की सबसे बड़ी वित्तीय चिंता बनी स्वास्थ्य खर्च

नई स्टडी 'द कॉर्पोरेट हेल्थ प्रोटेक्शन पल्स 2026'

मुंबई। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी की नई स्टडी 'द कॉर्पोरेट हेल्थ प्रोटेक्शन पल्स 2026' में कॉर्पोरेट कर्मचारियों की बदलती स्वास्थ्य और वित्तीय चिंताओं को लेकर अहम तस्वीर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च अब कॉर्पोरेट कर्मचारियों की सबसे बड़ी वित्तीय चिंता बन गया है। मेडिकल खर्च का दबाव नौकरी की सुरक्षा, ईएमआई के भुगतान और वैश्विक अस्थिरता जैसी चिंताओं से भी आगे निकल गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 94 फीसदी सर्वेक्षित कर्मचारियों ने अचानक आने वाले मेडिकल खर्च को वित्तीय तनाव का प्रमुख कारण बताया। वहीं, आर्थिक सुरक्षा को लेकर भी कर्मचारियों के बीच चिंता दिखाई दी। सिर्फ 12 फीसदी लोगों को भरोसा है कि वे नौकरी जाने की स्थिति में एक साल से अधिक समय तक अपने खर्च संभाल सकते हैं। करीब 10 में से 7 कर्मचारियों ने कहा कि नौकरी छूटने पर वे छह महीने या उससे कम समय तक ही आर्थिक रूप से टिक पाएंगे।

हेल्थ से जुड़ी ये 5 बड़ी चिंताएं- स्टडी में कॉर्पोरेट इंडिया के लिए स्वास्थ्य से जुड़ी पांच प्रमुख चिंताएं सामने आईं। इनमें अस्पताल में भर्ती होने का खर्च, लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां, परिवार के लिए पर्याप्त हेल्थ कवर, मानसिक स्वास्थ्य और आपातकालीन स्थितियों के लिए पर्याप्त बचत का अभाव शामिल हैं। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस के रिटेल-हेल्थ अंडरराइटिंग हेड डॉ. संतोष पुरी ने कहा कि स्टडी का उद्देश्य यह समझना था कि कॉर्पोरेट कर्मचारी कंपनी की ओर से मिलने वाले हेल्थ इंश्योरेंस को किस तरह देखते हैं और जागरूकता व तैयारी में कहां कमी है।

एचडीएफसी बैंक ने 'बॉस स्कैम' से सावधान रहने की दी सलाह

मुंबई । एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों और कंपनियों के कर्मचारियों को 'बॉस स्कैम' से सावधान रहने की अपील की है। इस तरह के साइबर फ्रॉड में अपराधी सीईओ, सीएक्सओ या किसी वरिष्ठ अधिकारी अथवा भरोसेमंद सहकर्मी की पहचान का इस्तेमाल कर कर्मचारियों को तत्काल भुगतान करने या संवेदनशील जानकारी साझा करने के लिए मजबूर करते हैं। बैंक के अनुसार, ठग सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए वरिष्ठ अधिकारियों के नाम से संदेश भेजते हैं। कई मामलों में संगठन द्वारा नियमों के उल्लंघन या किसी जरूरी कार्रवाई का हवाला देकर कर्मचारी पर तुरंत कदम उठाने का दबाव बनाया जाता है। इसके बाद कथित कम्प्लायंस या सिक्योरिटी दस्तावेज के नाम पर जिप या अन्य फाइल भेजी जाती है। एचडीएफसी बैंक के मुताबिक, ऐसी संदिग्ध फाइल खोलने पर डिवाइस में मैलवेयर इंस्टॉल हो सकता है। इसके जरिए अपराधी लैपटॉप या मोबाइल का नियंत्रण हासिल कर वरिष्ठ अधिकारी के सोशल मीडिया या मैसेजिंग अकाउंट तक पहुंच बना सकते हैं। इसके बाद हैक किए गए अकाउंट से वित्त या अकाउंट्स विभाग के कर्मचारियों को तत्काल बड़ी रकम ट्रांसफर करने के निर्देश भेजे जाते हैं। कुछ मामलों में ठग डिवाइस में अपने नंबर को वरिष्ठ अधिकारी के नाम से सेव कर देते हैं, जिससे फर्जी निर्देश अधिक वास्तविक नजर आते हैं।

तीखा लगा तो स्प्राइट उठाओः शर्वरी और सुनील के साथ स्प्राइट का नया अभियान

नई दिल्ली । स्प्राइट ने अपना नया अभियान 'स्पाइसी लगा, स्प्राइट उठा' लांच किया है। अभियान में स्प्राइट की ब्रांड एम्बेसडर अभिनेत्री शर्वरी के साथ अभिनेता और कॉमेडियन सुनील ग्रोवर नजर आ रहे हैं। कैंपेन का उद्देश्य तीखे खाने के साथ ठंडी स्प्राइट को एक मजेदार और ताजगीभरे कॉम्बिनेशन के तौर पर पेश करना है। अभियान की फिल्म में रेस्टोरेंट के माहौल में सुनील ग्रोवर अपने खास हास्य अंदाज में एक के बाद एक तीखे व्यंजन पेश करते दिखाई देते हैं। अभियान के तहत स्प्राइट देशभर में 200 से अधिक ब्रांड पार्टनर्स के साथ साझेदारी करेगा। इनमें बर्गर किंग, वॉव! मोमो और टैबास्को जैसे प्रमुख क्यूएसआर और फूड ब्रांड शामिल हैं।

बाटा इंडिया का पहली तिमाही में मुनाफा 23 फीसदी बढ़ा, रेवेन्यू 4फीसदी चढ़ा

गुरुग्राम। फुटवियर ब्रांड बाटा इंडिया ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए हैं। 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 978.9 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले करीब 4 प्रतिशत अधिक है। वहीं, कंपनी का कर पश्चात मुनाफा 63.7 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 51.7 करोड़ रुपये था। इस तरह मुनाफे में 23 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ गुंजन शाह ने कहा कि यह लगातार तीसरी तिमाही है, जब कंपनी ने वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने बताया कि रेवेन्यू ग्रोथ में प्रीमियम उत्पादों की बि ी और वॉल्यूम बढ़ने, दोनों का योगदान रहा। कंपनी ने विज्ञापन निवेश में करीब 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की, जिससे ग्राहकों के साथ जुड़ाव मजबूत करने में मदद मिली।

इंडेल मनी का 10 को खुलेगा 500 करोड़ का एनसीडी पब्लिक इश्यू

मुंबई। इंडेल मनी लिमिटेड ने 500 करोड़ रुपए तक जुटाने के लिए सिक्योर्ड, रेटेड, लिस्टेड और रिडीमेबल नॉन-कनवर्टिबल डिबेंचर के पब्लिक इश्यू की घोषणा की है। कंपनी का यह इश्यू 18 अगस्त 2026 को खुलेगा और 31 अगस्त 2026 को बंद होगा। आवश्यक मंजूरियों के अधीन इसे निर्धारित तिथि से पहले भी बंद किया जा सकता है। कंपनी के अनुसार इश्यू में 250 करोड़ रुपए का बेस इश्यू और अतिरिक्त 250 करोड़ रुपए तक के ओवरसब्सक्रिप्शन का ग्रीन शू विकल्प शामिल है। इस तरह कुल इश्यू साइज 500 करोड़ रुपए तक हो सकता है। निवेशक एक या एक से अधिक आवेदन कर सकेंगे। सभी श्रेणियों में न्यूनतम आवेदन राशि 10,000 रुपए निर्धारित की गई है। इसके बाद 1,000 रुपए के गुणक में निवेश किया जा सकेगा। एनसीडी को बीएसई लिमिटेड पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।